वर्ष :: 34 अंक : 50
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 34 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 15 सितंबर, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें- निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो-रामगढ़ को सौगातों की बौछार

जन-समस्याओं के समाधान, सहूलियत और सामाजिक सुरक्षा को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 'हमारी सरकार गांव-गांव पहुंच रही है। आपकी समस्याओं के समाधान के लिए आपके दरवाजे पर पूरा सरकारी तंत्र मौजूद है। आप आगे आएं और राज्य सरकार की योजनाओं से जुड़कर अपने को सशक्त बनाएं। आपकी जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव हमारी प्राथमिकता है। आप अपना आशीर्वाद बनाए रखें। सरकार जनसमस्याओं के समाधान, सहूलियत और सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने को लेकर प्रतिबद्ध है।' ये बातें झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बोकारो के ललपनिया फुटबॉल मैदान में आयोजित 'आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वैसा भी वक्त था, जब आपको सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों का बार-बार चक्कर लगाना पड़ता था। लेकिन, हमारी सरकार ने इस तरह से नीतियां और योजनाओं को लागू करने का काम किया है, जिससे आपको दलालों के चंगुल से मुक्त कराया जा सके। इतना ही नहीं, आपके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि का हस्तांतरण हो रहा है, ताकि आपके पैसे का कोई दुरुपयोग न कर सके। इस अवसर पर उन्होंने करम पर्व की पूर्व संध्या पर झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की 45 लाख से ज्यादा बहू-बेटियों के खाते में दूसरी किस्त की सम्मान राशि का हस्तांतरण भी किया।

किसानों-पशुपालकों की बढ़ाएंगे आमदनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले झारखंड प्रदेश में किसानों और पशुपालकों को सशक्त बनाने के लिए सरकार कई योजनाएं लेकर आई है। एक तरफ किसानों के दो लाख रुपए तक का लोन माफ करने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया है तो दूसरी तरफ बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना और दीदी बाड़ी योजना जैसी अनेकों योजनाओं के जरिए किसानों को वैकल्पिक कृषि के साथ उनके आय में बढ़ोतरी के लिए प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसान सशक्त बनेंगे, तभी हमारा राज्य मजबूत बनेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार गांव और देहात से चल रही है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकें।

सौगात पाकर खिल उठे लाभुकों के चेहरे : सीएम ने आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के तहत उन्होंने बोकारो एवं रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ 44 लाख हजार रुपए की 733 योजनाओं का तोहफा दिया। इसमें रामगढ़ जिला अंतर्गत 40872.20 लाख रूपए की 431 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास शामिल है, जबकि बोकारो जिला अंतर्गत 52594.26 लाख रूपए की 302 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास संपन्न हुआ। वहीं, दोनों जिलों के हजारों लाभुकों के बीच लगभग 342 करोड़ 90 लाख रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ। लाखों की परिसंपत्ति पाकर लाभुकों के चेहरे खिल उठे। सीएम ने पथ प्रमंडल विभाग द्वारा 82 करोड़ 19 लाख की लागत से पिछरी पीडब्ल्यूडी **(शेष पेज- 7 पर)**

आधी आबादी के सशक्तिकरण में ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण की दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना लागू करने का हमारी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस योजना के तहत 18 से 50 वर्ष तक की लगभग 48 लाख महिलाओं को वर्ष में 12 हजार रुपए सम्मान राशि के रूप में दिए जाएंगे। इसकी पहली किस्त जारी हो चुकी है और आज करम पर्व की पूर्व संध्या पर दूसरी किस्त की राशि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी हो रही है। इतना ही नहीं, अगले 5 वर्षों के दौरान हर घर में 1 लाख रुपए हर वर्ष पहुंचाने का भी काम हमारी सरकार करेगी, ताकि महिलाएं अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने घर-परिवार को मजबूत बना सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई से लेकर उनके भविष्य निर्माण तक का जिम्मा उठा रही है। अब अभिभावकों को अपने बच्चियों के पढ़ाई की चिंता नहीं करनी पड़ रही है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से अब तक 10 लाख से ज्यादा बच्चियों को जोड़ा जा चुका है। हमारे बच्चे- बच्चियां डॉक्टर, इंजीनियर और अफसर बनें, इसके लिए उन्हें गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 15 लाख रुपए तक का शिक्षा लोन बिना किसी गारंटी के देने की व्यवस्था की गई है। वहीं, हमारे बच्चे विदेशों में अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें, उसका भी पूरा खर्च सरकार वहन कर रही है। इसके साथ जो स्वरोजगार करने के इच्छुक हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 25 लाख रुपए तक की राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। हमारा प्रयास युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर से बेहतर अवसर प्रदान करना है।

हर बूढ़े-बुजुर्ग को मिल रही पेंशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू की है। इसका परिणाम है कि आज कोई भी बूढ़ा-बुजुर्ग पेंशन से वंचित नहीं है। अब पेंशन योजना से जुड़ने के लिए आपको इंतजार नहीं करना पड़ता है। जैसे ही आपकी उम्र पेंशन पाने की योग्य हो जाती है, आपको उसका लाभ मिलना प्रारंभ हो जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के विकास को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाने वाले सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों की लंबित समस्याओं का समाधान करने का कार्य हमारी सरकार कर रही है।

200 यूनिट बिजली फ्री, बकाया बिल माफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार आज आपको 200 बिजली फ्री दे रही है, वहीं बकाया बिजली बिल को माफ करने का भी निर्णय हमारी सरकार ने लिया है, जिसका फायदा इस राज्य के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को रहा है। हमारी कोशिश राज्य की जनता को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत और सुविधा देना है, ताकि वे प्रगति की राह पर आगे बढ़ सकें।

सपने साकार... मेडिकल कॉलेज का काम शुरू, तो टाउन हॉल का हुआ उद्घाटन

ललपनिया में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शिलान्यास व उद्घाटन कार्यक्रम के साथ ही बोकारो इस्पात नगर के लोगों की दो पुरानी मांगें भी जल्द पूरी होने की उम्मीद तेज हो गई। इस दिशा में बाकायदा काम भी शुरू हो चुके हैं। सीएम ने बोकारो में प्रस्तावित 500 बेड के मेडिकल कॉलेज की चहारदीवारी के निर्माण-कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही, इस दशकों से प्रतीक्षित मांग की दिशा में ठोस कदम आगे बढ़ गए। इसका निर्माण 692.75 लाख रुपये की लागत से किया जाना है।

गौरतलब है कि राज्य और केन्द्र सरकार की साझा हिस्सेदारी से बोकारो के सेक्टर-12 में फोरलेन किनारे 25 एकड़ भूमि पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना है। बीएसएल (सेल) ने इसके लिए 25 एकड़ जमीन बहुत पहले ही दे दी थी। इस सरकारी चिकित्सीय शिक्षण संस्थान में राज्य सरकार 60% और केंद्र सरकार 40% निवेश कर रही है। 500 बेड वाले इस मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के बनने से न केवल डाक्टर बनने को इच्छुक विद्यार्थी अपने शहर में ही मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर सकेंगे, बल्कि शहर की स्वास्थ्य सेवाओं में भी क्रांतिकारी बदलाव आएगा। इसे चालू करने में बोकारो विधायक बिरंची नारायण की अहम भूमिका रही है।

इधर, कुल 24.46 करोड़ रुपये की लागत से जुडको (झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी) द्वारा निर्मित बोकारो का सरकारी टाउनहॉल भी अब शहरवासियों को समर्पित कर दिया गया। सीएम ने बोकारो टाउनशिप के कैंप-2 में बने नए टाउन हॉल का उद्घाटन भी किया। 3 नवंबर 2022 को इसकी आधारशिला रखी गई थी।

बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तत्कालीन नगर विकास सचिव विनय चौबे और बोकारो उपायुक्त के सहयोग के प्रति आभार जताया। इस टाउनहॉल में बहुउद्देशीय सभागार है, जिसमें एक साथ 1000 लोग बैठ सकते हैं। ओपेन स्पेस मल्टीपर्पस एक्टिविटी सेंटर भी है, जिसमें 1000 लोग शामिल हो सकते हैं। वीआईपी मीटिंग्स के लिए 50 लोगों की क्षमता वाला लॉज और पार्किंग सहित कई आवश्यक सुविधाएं भी हैं।

नीतीश सरकार के जन-विरोधी फैसले

– संपादकीय –

– : विजय कुमार झा :–

बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन, आने वाला चुनाव राज्य में भाजपा-जदयू गठबंधन के लिए अनुकूल नहीं माना जा रहा है। क्योंकि, बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने आज तक जो दो विशेष फैसले लिए हैं, उसे बिल्कुल ही आत्मघाती माना जा रहा है। विरोधी दलों के साथ-साथ आम लोग भी जन-विरोधी बता रहे हैं। पहला फैसला तो नीतीश सरकार ने बिहार में शराबबंदी कानून लागू करने का लिया, जो पूरी तरह विफल साबित हुआ और उसका खामियाजा बिहार के लोग आज भी भुगत रहे हैं। दूसरा, फिलहाल बिहार में भूमि सर्वेक्षण का जो कार्यक्रम चल रहा है, उससे लोग बेहाल नजर आ रहे हैं।

लोगों में जमीन बचाने की होड़

बिहार में जमीन सर्वे के सरकारी फरमान के चलते चौतरफा भगदड़ मची है। लोगों में अपनी जमीन बचाने की होड़ लगी है। सामने दुगार्पूजा, दीपावली और छठ जैसे हिन्दुओं के महत्वपूर्ण पर्व आने वाले हैं। लेकिन, बिहार से बाहर रहकर अपनी जीविका चलाने वाले लाखों लोग अपनी नौकरी-चाकरी सब कुछ भगवान भरोसे दांव पर लगाकर अपने गांव की ओर भाग रहे हैं। अधिकतर लोग ट्रेनों-बसों में भेड़-बकरियों की तरह सफर करने पर विवश हैं, क्योंकि इसके अलावा उनके सामने दूसरा कोई और विकल्प नहीं बचा है। राज्य के विभिन्न अंचलों में लगाये गए विशेष शिविरों में जमीन से जुड़े दस्तावेज जमा करने को लेकर अफरातफरी का माहौल है। अधिकारी अंचल कार्यालयों से गायब बताये जा रहे हैं तो इसी क्रम में लोग बिचौलियों के चक्कर में पड़कर ठगी का शिकार भी बन रहे है। सरकारी बाबुओं की अवैध कमाई में चार चांद लग गए हैं। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से यह दलील दी जा रही है कि बिहार में भूमि विवाद के मामलों में कमी लाने के ख्याल से जमीन सर्वे का कार्यक्रम शुरू किया गया है। सरकार की यह सोच कुछ हद तक सही भी हो सकती है। लेकिन, इसके लिए जो समय का चयन किया गया है और दस्तावेज जमा करने के लिए जितना कम समय दिया गया है, उससे लोग जरूर परेशान हैं। अब सत्ता पक्ष के नेता सरकार के इस फैसले को उचित ठहराने की दलीलें दे रहे हैं तो विपक्ष सरकार के विरोध में हवा बनाने के प्रयास में लगा है।

शराबबंदी से नेता अफसर मालामाल

नीतीश कुमार के मुख्यमंत्रित्व काल में ही शराबबंदी कानून लागू होने से पहले बिहार के गांव-गांव में अंग्रेजी शराब के ठेके खोले गए थे। फिर नीतीश सरकार ने 01 अप्रैल, 2016 से राज्य में अचानक पूर्ण शराबबंदी कानून लागू कर दिया। उसके बाद बिहार में हर साल जहरीली शराब से पीने से सैकड़ों लोग असमय मौत के शिकार होते गए। दूसरा, उत्पाद राजस्व के मद में हर साल कम से कम हजारों करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। शराबबंदी कानून की चपेट में आकर सैकड़ों लोग आज भी बिहार में जेल की सलाखों के पीछे कैद हैं।

उधर, जब से शराबबंदी कानून लागू हुआ, सत्ता पक्ष से जुड़े नेता और पुलिस के अफसर इस धंधे की आड़ में मालामाल होते गए। जो नेता सौ-पचास रुपए के लिए खाक छानते थे, वे आज करोड़पति हो चुके हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने जनवरी, 2024 में कहा था कि शराबबंदी की आड़ में अवैध रूप से करोड़ों रुपये कमाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जनता दल यूनाइटेड पर बिहार में अवैध रूप से सक्रिय शराब माफिया से 10000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने का आरोप लगाया था। इसी हफ्ते बिहार पुलिस ने जदयू के नेता को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनके पास से 292.32 लीटर अंग्रेजी शराब भी जब्त हुआ। यह मामला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में बिहारशरीफ के नगर थाना क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल का है, जहां जुआ खेलते हुए जाम छलका रहे जदयू प्रखंड अध्यक्ष सीताराम प्रसाद को शराब तस्करी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।

केन्द्रीय मंत्री का बड़ा बयान

इसी बीच बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने शराबबंदी का विरोध करते हुए एक बड़ा बयान देकर नीतीश सरकार को परेशान कर दिया है। उन्होंने कहा कि पाव भर शराब पीने पर मजदूर को जेल भेज दिया जाता है, जबकि रात को एसपी, कलेक्टर और जज भी शराब पी रहे हैं। जीतनराम मांझी ने सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में ही शराबबंदी क्यों? हम उसी का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसमें कई लोग अपना हाथ साफ कर रहे हैं। बड़े-बड़े शराब तस्कर नहीं पकड़ा रहे हैं, लेकिन मेहनत मजदूरी करने वाले मजदूर को पाव भर शराब पीने पर गिरफ्तार कर उसे जेल भेजा जा रहा है। श्री मांझी ने बिहार में शराबबंदी कानून को पूरी तरह असफल बताया। सच्चाई भी यही है कि बिहार के गांव-गांव में शराब की होम डिलिवरी होती है। शराब पीने वालों को आसानी से शराब मिल जाया करती है। यह बात अलग है कि उसकी कीमत तीन गुना तक ज्यादा वसूली जाती है।

भाजपा-जदयू दोनों कटघरे में

दरअसल, पलटू राम के नाम से प्रख्यात हो चुके नीतीश कुमार कभी भाजपा तो कभी राजद के समर्थन से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान होते रहे हैं। इसके पहले जब वह भाजपा के साथ सत्ता में थे तो राजद के नेता शराबबंदी कानून को विफल बताकर नीतीश को घेरते रहे और जब वह राजद के समर्थन से सरकार में रहे तो इसी मुद्दे पर भाजपा ने उन्हें निशाना बनाया। लेकिन, मजे की बात यह है कि नीतीश के साथ सत्ता में आते ही भाजपा और राजद, दोनों के नेता अपनी पुरानी बातें भूलते रहे। आज नीतीश भाजपा के सहारे सरकार के मुखिया बने हुए हैं। बिहार में शराबबंदी कानून को भी जन-विरोधी माना जा रहा है, क्योंकि यह महज कुछ चुनिन्दा लोगों के लिए अवैध कमाई का जरिया बन चुका है। इसलिए जमीन सर्वे का मामला हो या शराबबंदी का, इन दोनों को लेकर बिहार के लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। ऐसे में आने वाला विधानसभा के चुनाव नीतीश कुमार के जदयू के साथ-साथ भाजपा के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकता है।

बदल अपन व्यवहार

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

सुनगि रहल छै आगि दहोदिश
जातिक नाम पजार
राजनीति मे हारल बाजी
सजबय अपन बजार।

देखि लेलक जा फूट न होयत
गलत ने ककरो दालि
मुंह मे धयल सोन के चम्मच
करत गालकें घालि।
जा नै टुकड़ी टुकड़ी होयत
नै चिबा सकब नै गीर
पहिने खण्ड खण्ड क'काटी
देत ने आगू पीड़।

बांटि देब यदि देश जाति मे
करत नित्य संघर्ष
पांचो आंगुर घी मे बोरने
सत्ता करब सहर्ष।

देश बरु चलि जाओ रसातल
हमरा तकर ने लाज
जा जीयत परिवार अपन ता
भोगब सुखसं राज।

भाइ भाइ केर वध क'आयत
भेटत एतय सुरक्षा
ऊंच जाति टा घातक देशक
एहि सं होयत रक्षा।

रौ दैवो नै समरूप बनेलक
क्यो नमगर क्यो भुट्ट
कियो जनम सं कारी खुंझा
कियो अछि गोर भुभुक्क।

रौ हाथो केर आंगुर ने केलक
पांचो टा के समान
कोनो मोट अछि कोनो दुब्बर
छोट पैघ मुंह नाक।

ककरो बुद्धि धार तरुआरिक
कियो भेल मतिमन्द
ककरो दैव वाचाल बनेलक
बौक वाक अछि बन्द।

तोरा संग सम्पति अकूत छौ
कियो भुखे बेहाल
देह तोड़ि कियो करय मजूरी
बैसले कियो नेहाल।

तोरा कयने भेटि सकय नहि
समता केर अधिकार
एतबे यदि चिंता छौ जातिक
अपन छोड़ व्यवहार।

प्रत्याशी-चयन को ले कहीं आपस में भिड़ंत, तो कहीं शक्ति-प्रदर्शन

कौन होगा उम्मीदवार जब अपनों में छिड़ा 'वार'?

संवाददाता

बोकारो : विधानसभा चुनाव आने वाला है। इसके लिए राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों की खोज में लग गई है। इसके लिए कहीं वोटिंग चल रही है, तो कहीं रायशुमारी, कहीं आवेदन पर आवेदन जमा हो रहे हैं तो कहीं मारा-मारी की स्थिति है। भाजपा की बात करें तो बोकारो में इस दल की आपसी गुटबाजी कोई नई बात नहीं है। इसकी बानगी हाल ही में एक बार फिर सामने आई। भाजपा की ओर से बोकारो जिले की चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी चयन को लेकर वोटिंग हुई। इस दौरान बोकारो विधानसभा सीट के लिए मां अंबे गार्डन सेक्टर-2 में रायशुमारी के साथ वोटिंग होनी थी। लेकिन, एक मत नहीं होने और आपसी तू-तू, मैं-मैं होते-होते भाजपाई आपस में ही भिड़ गए।

बैठक में भाजपा के प्रदेश, जिला व मंडल स्तर के पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य समय पर पहुंच गए थे। लेकिन, कार्यक्रम के पर्यवेक्षक पूर्व विधायक जीतू चरण राम और सहयोगी सीताराम पाठक करीब दो घंटे देर से पहुंचे। इसके बाद वोटिंग शुरू हुई, तो कार्यकर्ता पहले वोटिंग को लेकर हंगामा करने लगे। इस दौरान चास उत्तरी मंडल अध्यक्ष अमर स्वर्णकार और चास मु. अध्यक्ष हरीश चंद्र सिंह आपस में भिड़ गए। इसके बाद जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने दोनों पक्ष को समझा-बुझाकर किसी तरह मामले को शांत कराया। इसके बाद करीब 600 कार्यकर्ताओं ने मतदान किया। जबकि, चंदनकियारी में 450, बेरमो में 500 और गोमिया में 200 से ज्यादा कार्यकताओं ने वोटिंग की।

इधर, कांग्रेस में तो एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति बनी है। बोकारो विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी की होड़ लगी है। बीते दिनों प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की मौजूदगी में उम्मीदवार के चयन को लेकर संवाद आपके साथ कार्यक्रम हुआ। इसमें तमाम दावेदारों ने उनके स्वागत से लेकर कार्यक्रम के दौरान तक जमकर अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। जिलास्तर के नेता जहां अपनी छवि बनाने में लगे थे, वहीं प्रदेश स्तर के नेताओं ने भी अपना प्रभाव दिखाने का भरपूर प्रयास किया। हालांकि, कांग्रेस के इस कार्यक्रम की खासियत यह रही कि भाजपाइयों की तरह ये आपस में नहीं भिड़े। सेक्टर-1 स्थित अग्रसेन भवन में कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ के बाद भी दावेदारों ने अपने-अपने तरीके से नारेबाजी की, अपने समर्थकों की तादाद की ताकत दिखाई और प्रदेश अध्यक्ष को सुंदर से सुंदर गुलदस्ता भेंटकर अपनी प्रभाविता दिखाते हुए दावेदारी मजबूत की।

'सर्वे के बाद निष्ठावान को ही मिलेगा टिकट'

संवाद के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया राज्य की सभी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि पार्टी सर्वेक्षण के आधार पर निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही टिकट मिलेगा। सभी विधानसभा चुनाव प्रत्याशियों के नाम आलाकमान के पास दिल्ली भेजे जाएंगे और वहीं से पार्टी उपयुक्त प्रत्याशी का चयन करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के साथ देव शर्मा ने दिखाई अपनी ताकत

बोकारो जिला कांग्रेस द्वारा संवाद आपके साथ कार्यक्रम में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश के स्वागत के बहाने कांग्रेसियों ने जमकर अपना शक्ति-प्रदर्शन किया। बोकारो विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी पेश कर चुके युवा कांग्रेस के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा ने भी इसी कड़ी में अपनी ताकत दिखाई। उनकी अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर प्रदेश अध्यक्ष का पुपुनकी से सेक्टर- 1 हंस मंडप (कार्यक्रम स्थल) तक जोरदार आगवानी की। इस दौरान आतिशबाजी भी हुई और ढोल-नगाड़े भी गूंजते रहे।

विदित हो कि देव शर्मा 2012 में झारखंड में सबसे ज्यादा मतों से बोकारो विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। 2017 से झारखंड युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव एवं 10 जुलाई 2024 से वर्तमान तक झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष हैं। 2009 से 2024 तक कांग्रेस के अलावा किसी भी दूसरी पार्टी का दामन नहीं थामा। कांग्रेस के प्रति इनका अटूट श्रद्धा के कारण ही आज कांग्रेस, युवा कांग्रेस समेत पूरे झारखंड के नेताओं के बीच उनकी एक अलग छवि एवं सभी के साथ बेहतर नाता भी है। श्री शर्मा को अपेक्षा है कि क्षेत्र की जनता का उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में निश्चय ही पूरा सहयोग मिलेगा और वह सदन में बोकारो का नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेंगे।

भाषा-साहित्य 'जीवन का गणित' की धमक ऐसी कि दिग्गज अंग्रेजीदां शशि थरूर भी सराहने से खुद को रोक न सके

हिन्दी साहित्य के मानचित्र पर अभिनव ने छोड़ी अपनी अमिट छाप

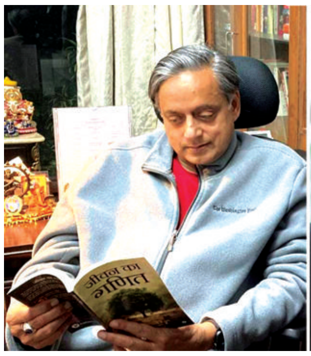

डीके वत्स

बोकारो : हाल में हिन्दी में झारखंड के कई ऐसे युवा रचनाकार हुए हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाई है। सत्य व्यास और निलोत्पल मृणाल जैसे युवा साहित्यकारों ने जहां किस्सागोई में अपनी छाप छोड़ी है, वहीं बोकारो के अभिनव शंकर ने कविता के माध्यम से झारखंड को हिन्दी साहित्य के मानचित्र पर अपनी लेखनी से उकेरा है। उनके पहले काव्य संग्रह 'जीवन का गणित' को हिन्दी के सुधी पाठकों का देश-विदेश में प्यार मिला, जिसके कारण उनकी यह कृति अपने पदार्पण के साथ ही अमेजन के शीर्ष 60 पुस्तक (सभी भारतीय भाषाएं सम्मिलित) की सूची में अपनी जगह बनाने में सफल रही। अब तक इसकी सैकड़ों प्रतियां बिक चुकी हैं। 'जीवन का गणित' की धमक ऐसी रही कि दिग्गज अंग्रेजीदां समझे जाने वाले शशि थरूर भी उसे पढ़ने और अभिनव को खुद फोन कर बधाई देने से खुद को रोक नहीं सके। बता दें कि अभिनव बोकारो इस्पात संयंत्र में जनसंपर्क पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

उनके इस रचना संग्रह को पढ़ने पर यह साफ पता चलता है कि उनकी कविताएं न अपेक्षित कसौटी पर, बल्कि पाठक के मानस पर अपनी विशिष्ट छाप छोड़ने में सफल रहती हैं। ये कविताएं न केवल परिस्थितियों और उसमें न्यस्त विडम्बनाओं का वर्णन करती हैं, वरन सुदीर्घ चिंतन की एक ऐसी अंतर्धारा का सहज बोध कराती है, जो अंततोगत्वा पाठक का साक्षात्कार जीवन के एक सत्य, एक सुचिंतित जीवन-दर्शन से करवाती है।

हिन्दी कविता के इस काल मे जब कविता जगत में रूमानियत का दौर है, तब इन कविताओं में आप इश्क-मोहब्बत से ज्यादा समूची मानवजाति के कल्याण की पूर्वाग्रह रहित कामना पाएंगे। इन रचनाओं में आप आधुनिकता के भेड़-चाल में ढहते युग-सत्य के दर्शन कर सकते हैं। हालांकि, गंभीर विषयों और जीवन दर्शन को प्रकाशित करते हुए भी ये कविताएं कहीं भी 'भारीपन' का शिकार नही लगतीं। ये कवि की शैली का सबसे बड़ा चमत्कार है। आप इसका अंदाजा नीचे की दो पंक्तियों से लगा सकते हैं-

'कुछ इतने में ही सिमट आयीं
गोया जिंदगी की सारी बातें,
प्यार के दो फूल, पुरुषार्थ के दो
मोती, नसीब के दो चाटें'

पेशे से अभियंता, किन्तु पत्रकारिता में भी काफी काम कर चुके अभिनव विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं कई प्रतिष्ठित वेब-पोर्टल के नियमित स्तम्भ-लेखक हैं। वह देश के कई महत्वपूर्ण एनजीओ के संस्थापक सदस्य रहे हैं। लेखक सुदूर आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं पर काम कर रही संस्था नमन फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार हैं। लेखक इसके अलावा भारत सरकार रजि० मानवाधिकार संस्था 'राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं लोक - जवाबदेही ब्यूरो' के राष्ट्रीय सलाहकार हैं।

पुस्तक परिचय के अनुसार- 'पेशे से इंजीनियर लेखक ने जब जिन्दगी को कागज पर उतारने की ठानी तो शब्दों के जो समीकरण बने, भावों का जो मानकीकरण हुआ और उससे जीवन का जो गणित उभरा- ये रचनायें उस गणित के 'प्रमेय' हैं। कुल तीन खण्डों में बंटीं इन रचनाओं (1.दुनियावी 2. रूमानी और 3. रूहानी) में ज्यादातर कविताएं 'दुनियावी' हिस्से की हैं। परंतु, 'रूमानी' और 'रूहानी' खण्डों में जो थोड़ी कविताएं आयीं हैं, वो भी अपने-अपने श्रेणी में विलक्षण अन्तर्दृष्टियों की अभिव्यक्तियां हैं। इस रचना संग्रह में 'झलकियां' खंड के तहत आगामी उपन्यास के कुछ अंश भी दिए गए हैं। पूरी तरह रूमानियत में डूबे इन अंशों को पढ़ते समय आपको महसूस होगा कि गद्य में होने के बावजूद ये रचनायें एक 'पोएटिक रोमांटिसिज्म' लिए हुए है। पद्य में ऐसी गंभीरता और दार्शनिकता के बाद गद्य में ऐसी रूमानियत पाठक को सुखद आश्चर्य से भर देती है। साथ ही लेखक के लेखनी की विविधतापूर्ण संभावनाओं को लेकर हिन्दी जगत को आश्वस्त भी करती है।

यह रचना-संग्रह अमेजन इंडिया और फ्लिपकार्ट पर मात्र 159 रुपए में उपलब्ध है। प्रकाशक एवं वितरक ने ये पुस्तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी उपलब्ध करवाई है। भारत से बाहर के पाठक इसे अमेजन पर 9.99 डॉलर और यूरोप में 7.16 यूरो की लागत मात्र से खरीद सकते हैं। आज के ऑनलाइन दौर से कदमताल करते हुए ये पुस्तक 'ई-बुक' संस्करण में भी उपलब्ध है। पुस्तक 'अमेजन-किंडल' पर उपलब्ध होने के साथ साथ 'गूगल-बुक्स' और एप्पल के आई-बुक स्टोर पर भी मात्र 59 रुपए में उपलब्ध है।

इस काव्य-संग्रह की प्रस्तावना प्रख्यात लेखक डॉ अशोक कुमार शर्मा ने लिखी है। आवरण-पृष्ठ पर पुस्तक-परिचय और कवि-परिचय, जो इस रचना संग्रह का उपशीर्षक भी है, भी इस सुरुचिपूर्ण अंदाज में लिखे गये हैं जो पाठक को पुस्तक के भीतर झांककर देखने को प्रेरित और विवश करते हैं।

कुल मिलाकर अनिकुल की रचनायें अपने पाठकों का साहित्य के स्तरीय आनंद का आस्वादन करवा पाने में सफल प्रतीत होती हैं। 120 पृष्ठों वाले इस काव्य-संग्रह का प्रकाशन नोशन प्रेस, चेन्नई से किया गया है।

भारत के माथे की बिंदी, सबसे सुंदर अपनी हिन्दी

राजभाषा सशक्तिकरण का संकल्प

संवाददाता

बोकारो : हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा हिन्दी के सशक्तिकरण को लेकर एक बार पुनः शहरवासी संकल्पित हुए। विशेषकर, सरकारी-गैरसरकारी, विद्यालयों और महाविद्यालयों में इस दिशा में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत के माथे की बिंदी हिन्दी के गौरव बनाए रखने का आह्वान किया गया। इसी कड़ी में बोकारो इस्पात संयंत्र में हिन्दी दिवस सह राजभाषा पखवाड़ा का आरंभ हुआ। इस्पात भवन स्थित समिति कक्ष में इसका उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि हरिमोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) थे। कार्यक्रम में बीएसएल के वरीय अधिशासी तथा राजभाषा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में अतिथियों का स्वागत वरीय प्रबंधक (सम्पर्क एवं प्रशासन) विभा रानी ने किया।

तदुपरान्त हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर भारत सरकार के गृह मंत्री, इस्पात मंत्री, इस्पात राज्यमंत्री तथा सेल अध्यक्ष के संदेश क्रमशः वरीय प्रबंधक (जन संपर्क विभाग) अभिनव शंकर एवं कनीय प्रबंधक रवि कुमार सिन्हा द्वारा पढ़े गए। इधर, बोकारो जनरल अस्पताल में आयोजित एक अन्य समारोह में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी बी करुणामय की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वालों को सम्मानित भी किया गया।

हिन्दी अपनी मातृभाषा, इस पर करें गर्व : मल्लिक

बोकारो के सेक्टर-5 स्थित चिन्मय विद्यालय के समिति कक्ष में हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी काव्य गोष्ठी हुई। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नर्मेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए श्री मल्लिक ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बनाए हुए है। शिक्षकों को हिन्दी साहित्य लेखन में रुचि लेनी चाहिए, जिससे इस भाषा को और प्रसारित व संवर्धित किया जा सके। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि माता, मातृभूमि और मातृभाषा का सम्मान हमें हमेशा करना चाहिए। हिन्दी हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना से उत्प्रेरित भी करती है। वरीय अध्यापिका डॉ. नमिता शर्मा, पूजा सिंह, मनोज तिवारी, अल्पना सिंह, अभिनव बर्मन, आभा सिंह, रीना सिंह, अंकिता पाठक ने इस अवसर पर अपनी स्वरचित कविताओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉली झा और धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभागाध्यक्ष पूजा सिंह ने किया।

भारतीयों को एकता-सूत्र में पिरोती है हिन्दी : डॉ. गंगवार

'हिन्दी मात्र भाषा नहीं, अपितु प्रत्येक भारतवासी की एक अंतस भावना है। हमारे देश में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा हिन्दी ही है, जो समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोती है। यह हमें हमारी गौरवशाली संस्कृति, अतीत और समृद्धि से परिचित कराती है। हमें अपनी यह भाषा बोलने में गर्व की अनुभूति होनी चाहिए।' उक्त बातें दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहीं। विद्यार्थियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति स्नेह एवं रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित हिन्दी दिवस समारोह को वह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा बनाया गया था। लेकिन, विडंबना यह है कि आगे चलकर इतने वर्षों के बाद भी आज तक यह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी। सर्वव्यापकता, सरलता, प्रचुर साहित्य-रचना, वैज्ञानिकता और भावों को व्यक्त करने के सामर्थ्य सहित हिन्दी में वे सभी गुण हैं, जो इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए पर्याप्त हैं। इन सबके बाद भी इस दिशा में उपेक्षा कहीं-न-कहीं इच्छाशक्ति की कमी दर्शाती है। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में विशेष प्रार्थना-सभा आयोजित की गई, जिसकी सभी कार्यवाही हिन्दी में ही संपन्न हुई। समारोह के दौरान हिन्दी दिवस को स्मरणीय बनाने हेतु विद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से तैयार वार्षिक हिन्दी साहित्यिक पत्रिका 'स्वरा' के नए अंक का विमोचन किया गया।

उम्मीद डीवीसी के मेंबर टेक्निकल ने कहा - डिस्मेल्टिंग के बाद नये संयंत्र पर होगा विचार

बोकारो थर्मल में लगेगा नया पावर प्लांट

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : डीवीसी के मेम्बर टेक्निकल एस के पांडा ने बोकारो थर्मल में नया पावर प्लांट लगाने के मसले पर कहा कि पुराने बी प्लांट के डिस्मेल्टिंग का कार्य जारी है। वर्तमान में बोकारो थर्मल में सोलर प्लांट लगाने की योजना है। प्लांट डिस्मेल्टिंग के बाद जमीन को लेकर सर्वे किया जाएगा और उसके बाद ही नया थर्मल प्लांट लगाने की योजना पर विचार किया जाएगा। श्री पांडा शनिवार को एक दिवसीय दौरा के क्रम में बोकारो थर्मल पावर प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे थे। बोकारो थर्मल स्थित निदेशक भवन पहुंचने पर एचओपी आनंद मोहन प्रसाद, एफजीडी के वरीय जीएम एसएन प्रसाद, जीएम ओएंडएम एस भट्टाचार्य, मृत्युंजय प्रसाद, डीजीएम बीजी होलकर, एसआर पांडा, वरीय प्रबंधक मनीष चौधरी ने उनका स्वागत किया। बाद में वह पावर प्लांट स्थित विभिन्न विभागों को निरीक्षण के बाद तकनीकी भवन के सभागार में एचओपी सहित सभी वरीय अभियंता एवं अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में सदस्य तकनीकी ने पावर प्लांट से बेहतर उत्पादन एवं प्रोगेस को लेकर सभी को मिलकर सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में कार्य करने पर बल दिया। बाद में उन्होंने नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड एवं कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। सदस्य तकनीकी ने पूछे जाने पर कहा कि स्थानीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर हो रही बिजली की चोरी को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। कहा कि ऐश पौंड से वर्तमान में छाई का उठाव ठीक से हो रहा है और प्लांट एवं पौंड सुचारु रूप से चले, इसको लेकर सभी को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बोकारो थर्मल कॉलोनी की स्थिति में चार से पांच माह के बाद व्यापक पैमाने पर बदलाव होने की भी बात कही। कहा कि इसके लिए काम जारी है।

विस्थापितों को मिलेगा मालिकाना हक

इधर, स्थानीय निदेशक भवन में विस्थापित नेता बालेश्वर यादव, सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, नरेश प्रजापति आदि ने सदस्य तकनीकी से मिलकर बोकारो डीवीसी के विस्थापित गांव नया बस्ती के विस्थापितों को जमीन का पट्टा देने की मांग रखी, जिस पर सदस्य तकनीकी ने कहा कि तिलैया एवं कोडरमा की तर्ज पर ही नया बस्ती के विस्थापितों को मालिकाना हक मुहैया कराया जाएगा।

हफ्ते की हलचल

बीएसएल में मां के नाम पर सघन वृक्षारोपण

बोकारो : बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी एवं अधिशासी निदेशक (माइंस) जयदीप दासगुप्ता द्वारा बीएसएल के माइंस क्षेत्र के दौरे के क्रम में मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान के मेघालय गेस्ट हाउस में स्वच्छता ही सेवा और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सेक्टर- 6, बोकारो में सिटी कॉलेज मुख्य गेट के सामने बीएसएल के अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) ने वृक्षारोपण किया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार तथा बीएसएल के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

साहित्य-सेवा के लिए डॉ. प्रियदर्शी जरुहार सम्मानित

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें काव्य-स्पंदन ग्रुप से रीना यादव, सरोज झा झारखंडी, नितेश मिश्र व अनंत महेंद्र ने अपनी काव्य-रचनाएं प्रस्तुत कीं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि बीएसएल के डीजीए पवन यादव रहे। संस्थान सचिव सुरेंद्र पाल सिंह विशेष अतिथि रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्प-गुच्छ, स्मृति चिह्न एवं शॉल से किया गया। आमंत्रित कवियों से अतिरिक्त, छात्रों में स्नेहा रतन, पलक ने अपनी मौलिक कविताओं का पाठ किया। काव्य-स्पंदन ग्रूप ने कॉलेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार को इस अवसर पर साहित्य सेवा के लिये प्रशस्ति फलक देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन स्नेहा रतन और पलक ने किया। डा. एपी. बर्णवाल, प्रो. कृतिका चौधरी, प्रो. सुमित पांडेय, प्रो. अपूर्वा सिन्हा आनंद जायस्वाल, पूजा हाजरा व अन्य ने योगदान दिया। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह ने बधाई दी।

तुपकाडीह में करमा पर्व की खूब रही धूम

बोकारो : भाई-बहन के अटूट विश्वास का त्योहार करमा पर्व तुपकाडीह में धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को पर्व के उपवास के दिन महिलाएं व लड़कियां करम जावा के चारों और घूम-घूमकर गीत गाते हुए खूब नृत्य करती रहीं। अम्बेडकर नगर, खुटरी, कनारी, मानगो, कुंडौरी आदि गांवों में यह पर्व करम डाली को सजाकर शाम को पूजा-अर्चना करने के बाद मनाया गया। खुटरी मुखिया लीलावती देवी, पूर्व मुखिया टीना सिंह, उप मुखिया राजू महतो, मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा, उप मुखिया नमित मिश्रा ने गांव में जाकर संग-संग नृत्य कर उनका उत्साहवर्धन किया।

3.90 करोड़ रुपए की लागत से पुल का शिलान्यास

गोमिया : बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना मद से तीन करोड़, 90 लाख राशि स्वीकृत से चुट्टे एवं लोधी के बीच पार खरना के चिड़वा नाला में उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य शिलान्यास गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि आजादी के 78 वर्षों बाद भी चुट्टे पिछड़ा व अविकसित पंचायत रहा है। हमने संकल्प लिया था कि जो पंचायत पिछड़ा व अविकसित है, उन्हें अग्रतर विकसित करना है। हमने इस पंचायत में आवागमन हेतु सड़कें, नदी-नाले के पुल-पुलियाओं का स्वीकृत कराकर शिलान्यास किया है। अगले बरसात से पहले ही उक्त पुल बनकर तैयार हो जाएगा। ग्रामीणों को आने-जाने में होने वाली कठिनाइयों से छुटकारा मिल जाएगा। मौके पर जिला परिषद सदस्य विमला देवी, मुखिया रियाज आलम, पंसस यशवंत,नारायण महतो, हबीबुल्लाह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। डा. महतो ने गोमिया प्रखंड की लोधी पंचायत स्थित कोड़वा गांव में 100 केवीए क्षमता वाले विद्युत ट्रांसफार्मर का भी उद्घाटन किया।

इस दुर्गा पूजा कोयलाकर्मियों की होने वाली है बल्ले-बल्ले !

कोल इंडिया को इस बार 10 हजार करोड़ का मुनाफा, 01 अक्टूबर को तय हो सकता है बोनस

विशेष संवाददाता

धनबाद : धनबाद, बोकारो सहित तमाम कोलियरी इलाकों में इन दिनों सबसे बड़ी चर्चा बोनस को लेकर ही है और पूरी संभावना है कि इस बार की दुर्गा पूजा में लगभग 2.10 लाख कोयलाकर्मियों की बल्ले-बल्ले होगी।

कोयला कर्मचारियों को मिलने वाली बोनस को लेकर कामगारों के बीच काफी उम्मीदें हैं। इसके पीछे बड़ा कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 में कोल इंडिया का लाभ है। बताया जाता है कि पिछले वित्तीय वर्ष में कोल इंडिया को 10 हजार करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। श्रमिक संगठनों को उम्मीद है कि लाभ होने से प्रबंधन के साथ टेबल पर बातचीत करना तार्किक होगा। इस बार प्रबंधन पर पिछले साल की तुलना में बोनस के लिए ज्यादा दबाव बनाया जा सकेगा।

आगामी एक अक्टूबर को कोल इंडिया मानकीकरण समिति की बैठक दिल्ली में प्रस्तावित है, जिसमें कोयलाकर्मियों के बोनस की राशि तय होने की पूरी संभावना है। बैठक में कोल इंडिया प्रबंधन के साथ-साथ ट्रेड यूनियन के नेता भी हिस्सा लेंगे। इस बार यूनियन नेता एक लाख के बोनस की मांग कर रहे हैं। पिछले साल 85 हजार का बोनस मिला था।

कोयलाकर्मियों के साथ-साथ इस्पातकर्मियों और झारखंड में संचालित अन्य संस्थाओं के कर्मियों को भी बोनस की राशि बैंकों के जरिए ही मिलेगी। ऐसे में अक्टूबर महीना झारखंड के बैंकों के लिए लक्ष्मी वर्ष का महीना होगा।

साल-दर-साल ऐसे बढ़ता चला गया बोनस

वर्ष	बोनस की राशि (रु.)	वर्ष	बोनस की राशि (रु.)
2012 -	26,000	2018 -	60,700
2013 -	31,500	2019-	67,700
2014 -	40,000	2020-	68,500
2015-	48,500	2021-	72,500
2016 -	54,000	2022 -	76 ,500
2017-	57,000	2023 -	**85 ,000**

मौत की रेस !

उत्पाद सिपाही भर्ती में एक और युवक ने दम तोड़ा अब तक 14 की मौत, 300 से अधिक हो चुके बेहोश

संवाददाता

रांची : झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में शामिल अभ्यर्थियों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसे बेरोजगारी से आजिज युवाओं की रोजगार की मजबूरी मानें या मौत की रेस, कहना कठिन है। इस तरह का मामला पहली बार देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को एक और युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जमशेदपुर के बर्मा माइंस निवासी मुरामुल्ला सूर्या के रूप में हुई है। इसके साथ ही मृतकों की संख्या 14 हो गई है। सूर्या की मौत रांची के रिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि जमशेदपुर के वर्मा माइंस का रहने वाला सूर्या रांची में चल रहे दूसरे चरण के उत्पाद सिपाही बहाली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आया हुआ था।

शुक्रवार को बहाली प्रक्रिया के दौरान ही वह मैदान में बेहोश होकर गिर गया था, जिसके बाद उसे रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। सूर्य की मौत ब्रेन स्ट्रोक होने की वजह से हुई है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती के लिए 22 अगस्त से दौड़ की प्रक्रिया शुरू की गई थी। भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की मौत होने लगी। इसके बाद राज्य सरकार ने भर्ती की प्रक्रिया बीच में ही रोक दी। भर्ती की प्रक्रिया 10 सितंबर से दोबारा शुरू की गई, जिसके बाद सूर्या की मौत हुई है। अब तक 14 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है।

गौरतलब है कि उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में अब तक 300 से ज्यादा अभ्यर्थी बेहोश हुए हैं। इनमें से 14 अभ्यर्थियों की मोत हो गई। पलामू में सबसे ज्यादा पांच अभ्यर्थियों की जान गई है। इनमें बिहार के गया निवासी अमरेश कुमार, रांची के ओरमांझी निवासी अजय महतो, पलामू के छतरपुर निवासी अरुण कुमार और गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार शामिल हैं। हजारीबाग के पदमा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में बहाली के लिए चल रही दौड़ में दो युवकों सूरज वर्मा और महेश कुमार की जान चली गई। वहीं रांची में तीन और गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, और साहिबगंज में एक-एक अभ्यर्थी की मौत हुई है।

उद्घोषणा - सह - शपथ-पत्र

मैं, राज किशोर पाण्डेय, पिता- स्व० शंभुनाथ पाण्डेय, निवासी- कुँवर सिंह कॉलोनी, चास, पोस्ट व थाना- चास, जिला- बोकारो (झारखण्ड) लेख्य प्रमाणक, बोकारो के समक्ष (शपथ-पत्र सं०-1161, दिनांक- 15.04.2024 द्वारा) यह उद्घोषणा करता हूँ कि, बी०एस०सिटी महिला थाना कांड सं०-09/2024 के तहत नैतिक अधमता एवं पतन से संबंधित मुकदमे में आरोपी अपने द्वितीय पुत्र ऋषि कांत पाण्डेय, उम्र करीब 28 वर्ष (आधार नं०- 7386 2834 6580) को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ।

साथ ही यह भी घोषित करता हूँ कि, हमारे उत्तराधिकारी के रूप में मेरे पुत्र ऋषि कांत पाण्डेय की गणना नहीं कि जाएगी एवं उससे भविष्य में मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

राज किशोर पाण्डेय
उद्घोषणा-सह-शपथकर्ता

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
बोकारो स्टील प्लांट
बोकारो स्टील सिटी–827001, झारखण्ड, भारत

आवश्यक सूचना

सर्व-साधारण को यह सूचित किया जाता है कि सेक्टर- 5 बोकारो निवास साइड से लेकर चीरा चास, पांडेय पुल तक सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण किया जाना है। इस निर्माण कार्य को संपादित करने के लिये 13 सितम्बर 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक उक्त सड़क आवागमन के लिये पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान सेक्टर-5 आशालता की ओर से होते हुए वैकल्पिक सड़क मार्ग से आवागमन किया जा सकता है। इस कार्य में सभी का सहयोग अपेक्षित है।

आदेशानुसार,
नगर प्रशासन विभाग

सेल -बोकारो स्टील प्लांट द्वारा जनहित में जारी
पंजीकृत कार्यालयः इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003
कॉर्पोरेट आइडेंटिटी नम्बरः L27109DL1973GOI006454, वेबसाइटः www.sail.co.in
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

शिशो-काकरघाटी रेलवे लाइन बनकर तैयार, यात्रियों को समय-बचत सहित होंगी कई सुविधाएं

मिथिला डायरी

दरभंगा : मधुबनी-दरभंगा बाईपास न्यू रेल लाइन शीशो-काकरघाटी बनकर तैयार हो चुकी है। इसके साथ ही सीतामढ़ी व जयनगर रेलखंड आपस में जुड़ जाएगा, जिससे रेलयात्रियों को काफी सहूलियत होगी। समय की बचत सहित कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। करीब 9.480 किलोमीटर लंबी इस रेललाइन पर ट्रेनों के परिचालन को लेकर रेलवे की ओर से सीआरएस की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसके 20 सितंबर तक होने की संभावना है। 253 करोड़ रुपए के खर्च से तैयार इस रेलखंड पर 14 छोटे एवं 3 बड़े पुल बनाए गए हैं। एक अंडर पास भी बनाया गया है। इस नए रेललाइन के निर्माण से दरभंगा-सीतामढ़ी व दरभंगा-जयनगर खंड जुड़ जाएंगे तथा इन दोनों रेल खंड की गाड़ियों के परिचालन के लिए इन ट्रेनों को दरभंगा जंक्शन आना नहीं होगा। फिलहाल दरभंगा जंक्शन पर आने के बाद इंजन बदलकर ही कोई गाड़ी जयनगर से सीतामढ़ी अथवा सीतामढ़ी से जयनगर जा सकती है। ऐसे में समय के साथ संसाधन की भी बचत होगी, जिसका प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ यात्रियों को मिलेगा।

12 साल की भाव्या अंडर-15 क्रिकेट टीम में चयनित

सीतामढ़ी : जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उसे तलाशने और तराशने की जरूरत है। ऐसी ही एक प्रतिभा है भाव्या, जो खेल के क्षेत्र में एक भव्य प्रतिभा बनी है। महज 12 साल की उम्र की भाव्या ने अपने हुनर की बदौलत जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। सुप्पी प्रखंड क्षेत्र के गम्हारिया गांव निवासी रामनिवास सिंह की पौत्री और सुमित कुमार सिंह की पुत्री 12 वर्षीया भाव्या सिंह का हरियाणा अंडर-15 क्रिकेट टीम के कैंप में चयन किया गया है। इससे गांव ही नहीं, जिले के तमाम खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। सभी ने उसे बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। फिलहाल गुरुग्राम में रहने वाले चार्टर्ड एकाउंटेंट सुमित कुमार सिंह की पुत्री भाव्या सिंह एसजीएफआई अंडर-17 में गुरुग्राम से ओपनर बल्लेबाज के रूप में खेलते हुए टॉप स्कोरर रही थी। वह सीबीएसई गर्ल्स अंडर-19 में नेशनल भी खेल चुकी हैं।

नारायण तत्व से आनंद की अनुभूति

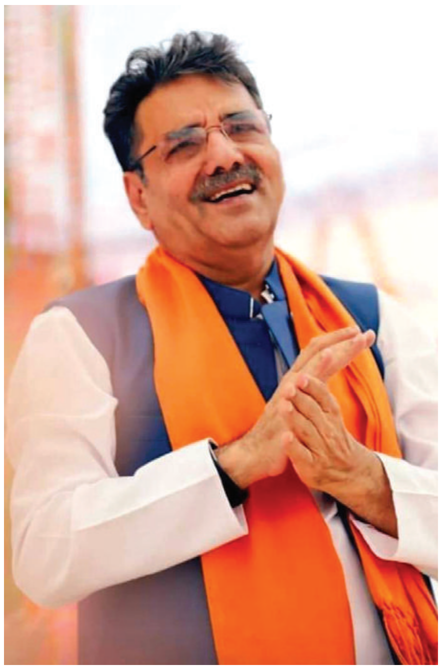

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

अनंत चतुर्दशी : (17 सितम्बर, 2024) पर विशेष

सृष्टि का प्रारम्भ भगवान विष्णु से हुआ, भगवान विष्णु ने सृष्टि की रचना एक संकल्प के रूप में की। चतुर्भुजधारी भगवान विष्णु के अंदर ज्योंही सृष्टि रचना का संकल्प हुआ, त्योंही उनके नाभि कमल से चतुर्मुख श्रीब्रह्माजी का जन्म हुआ। इसके बाद श्रीब्रह्मा ने भगवान विष्णु की आज्ञानुसार प्राणियों को चार आकारों, अर्थात् चार वर्गों अण्डज, जरायुज, स्वदेज एवं उद्भिज में विभाजित कर सृष्टि क्रम प्रारम्भ किया। भगवान विष्णु को नारायण भी कहा गया है।

नारायण पूर्ण पुरुष हैं और संसार का हर व्यक्ति ईश्वर की संतान है। मनुष्य जब जन्म लेता है तो वह विष्णु का ही एक अंश होता है, क्योंकि उसका प्रधान कार्य सृष्टि में वृद्धि करना और उसको पालना है। यदि वह श्रेष्ठ पालनाकर्ता है, तो वह अपने जीवन में धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के लिए क्रियाशील रहते हुए पूर्ण पुरुष स्वरूप को धारण कर सकता है और नर से नारायण बन सकता है। भगवान विष्णु नारायण अपना शादर्श शिव को मानते हैं। हर व्यक्ति का यही लक्ष्य रहता है कि मैं विष्णु के समान ऐश्वर्यमान, शौर्ययुक्त, कीर्तियुक्त, लक्ष्मीयुक्त बनूं, इसके साथ ही जीवन में शिव के समान आनन्दयुक्त रहूं।

ब्रह्मा ने रचना तो कर दी है, किन्तु यह सब पालन और संहार अर्थात् जीवन में सद्गुणों का विकास और दुर्गुणों का विनाश, यह सब शक्तियां विष्णु और शिव के अधीन हैं। इसलिए जीवन में पूर्ण उन्नति का मार्ग नारायण और शिव की साधना से होकर जाता है। इसलिए अनन्त चतुर्दशी और महाशिवरात्रि का विशेष विधान है।

जो व्यक्ति इन दो दिवसों में कोई संकल्प नहीं लेता, वह अपने जीवन में कुछ काल के लिए उन्नति और भोग विलास तो अवश्य प्राप्त कर लेता है, किन्तु यह उसे केवल पूर्व जन्मों के शुभ कर्म के फलस्वरूप अल्प समय के लिए प्राप्त होता है। इन गुणों को स्थायी रूप से आत्मसात कर जीवन में धन, ऐश्वर्य, ज्ञान, कीर्ति इत्यादि इन छह गुणों को व्यक्ति आत्मसात कर आंतरिक आनन्द की अनुभूति प्राप्त कर सकता है और पूर्ण आनन्द की अनुभूति तो वही कर सकता है, जिसमें नारायण तत्व हो। अर्थात् विष्णु के समान जीवन पालन करने की क्षमता हो। नारायण तत्व के द्वारा ही जीवन को पूर्ण बनाया जा सकता है और उसके लिए हमारे ऋषियों ने एक ही विधान बताया है कि सद्गुरु से 'नारायण दीक्षा' शुभ मुहुर्त में ग्रहण की जाए, जिसके द्वारा व्यक्ति के रोम-रोग में नारायण शक्ति स्थापित हो और वह साधारण मनुष्य की अपेक्षा श्री से युक्त हो सकें।

विष्णु की मूल शक्ति हैं लक्ष्मी

शास्त्रों में विष्णु के जिन अवतारों का वर्णन है, वह सब अवतारों के पीछे नारायण का यही उद्देश्य है कि संसार का हर व्यक्ति नर से नारायण बनने की यात्रा प्रारम्भ करे। नारायण के सभी अवतारों में विशेष बात यह है कि विष्णु की मूल शक्ति लक्ष्मी प्रत्येक अवतार में उनके साथ ही रहीं।

श्रीकृष्ण अवतार में लक्ष्मी राधा स्वरूप में, श्रीराम अवतार में सीता रूप में, मोहिनी अवतार में मोहिनी रूप में, नारायण अवतार में भगवती रूप में। मूलतः विष्णु के किसी भी रूप का वर्णन आएगा, वहां भगवती लक्ष्मी का उल्लेख अवश्य ही आयेगा। अर्थात् जहां अनन्त श्री विष्णु हैं, वहां शक्ति स्वरूप में श्रीलक्ष्मी हैं और जहां श्रीलक्ष्मी हैं, वहां भगवान विष्णु भी हैं।

लक्ष्मी को विष्णु प्रिया, श्रीहरिवल्लभा, विष्णु मनोनुकूला इत्यादि नामों से भी पुकारा जाता है। भगवान विष्णु की साधना करने से भगवती लक्ष्मी भी अवश्य ही प्रसन्न होती हैं। विष्णु और लक्ष्मी का संयोग सदैव रहता है। दोनों को विभक्त करके नहीं देखा जा सकता है। नारायण की शक्ति विभिन्न रूपों में लक्ष्मी ही हैं।

वास्तविकता और चेतना के प्रतीक

नारायण से ही जगत की उत्पत्ति और प्रलय होती है। नारायण शब्द नीर (जल) और अयन (निवास स्थान) के मेल से उत्पन्न हुआ है, अर्थात् लौकिक जल में निवास करने वाला। नारायण शब्द परमेश्वर का वाच्य शब्द है, जिसका अर्थ जन्म न लेकर जल पर प्रकट होने वाले भगवान नारायण से है।

लक्ष्मी समृद्धि और कल्याण का प्रतिनिधित्व करती हैं, जबकि नारायण परम वास्तविकता और चेतना का प्रतीक हैं। साथ में वे अस्तित्व के दोहरे पहलुओं और आध्यात्मिक तथा भौतिक सद्भाव की खोज की मूर्तरूप देते हैं।

लक्ष्मी- समृद्धि, पवित्रता, उदारता, नारायण- चेतना, वास्तविकता, भरण-पोषण।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

संपूर्ण पोषक फल है नारियल, जानिए इसे खाने के फायदे

नारियल का सेवन न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह शरीर के लिए कई महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है। यह संपूर्ण पोषक फल है, जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आइए, जानते हैं इसके फायदे-

- पोषक तत्वों का भंडार : नारियल में कई प्रकार के महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। नारियल में विटामिन सी, विटामिन ई, और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन्स जैसे विटामिन बी1, बी3, बी5, और बी6 होते हैं। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, और पोटेशियम जैसे खनिज भी पाए जाते हैं, वहीं अच्छा खासा आहार फाइबर पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में सहायक है।

- हृदय स्वास्थ्य : नारियल में मध्यम श्रृंखला के ट्राइग्लिसराइड्स (एमसीटी) होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माने जाते हैं। ये फैटी एसिड दिल की धड़कन को नियमित रखने में मदद करते हैं और हृदय रोगों का खतरा कम करते हैं।

- पाचन-सुधार : नारियल का सेवन पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को सुचारू रखने में सहायक होता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है।

- त्वचा और बालों के लिए लाभकारी : नारियल का तेल त्वचा और बालों के लिए अत्यंत लाभकारी है। नारियल तेल त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और इसे मुलायम बनाता है। यह सूजन और संक्रमण से भी राहत दिला सकता है। नारियल का तेल बालों को नमी प्रदान करता है, जिससे बाल मजबूत और चमकदार बनते हैं। यह स्कैल्प को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है।

- प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना : नारियल में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीवायरल गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को विभिन्न संक्रमणों और बीमारियों से बचाने में सहायक होता है।

- वजन प्रबंधन : नारियल का सेवन वजन प्रबंधन में भी मदद कर सकता है। इसका मीडियम-चेन फैटी एसिड्स तेजी से ऊर्जा में बदलते हैं और शरीर को लंबे समय तक तृप्त रखते हैं, जिससे अधिक खाने की प्रवृत्ति कम होती है।

- खुशहाल मन : नारियल का सेवन मूड को बेहतर बना सकता है। इसमें ट्रायप्टोफन और अन्य सेरोटोनिन बूस्टिंग यौगिक होते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होते हैं।

हालांकि, इसे संतुलित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए, ताकि इसके सभी लाभ प्राप्त किए जा सकें और कोई दुष्प्रभाव न हो।

प्रस्तुति - विकास

जानिए, क्यों लेना पड़ा ब्रह्मांड के पहले आर्किटेक्ट भगवान विश्वकर्मा को अवतार

- डॉ. बी. के. मल्लिक
वरिष्ठ लेखक
मो. 9810075792

हमारे देश में विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर पूरे धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन देश के विभिन्न राज्यों में, खासकर औद्योगिक क्षेत्रों, फैक्ट्रियों, लोहे की दुकान, वाहन शोरूम, सर्विस सेंटर आदि में पूजा होती है। इस मौके पर मशीनों, औजारों की सफाई एवं रंगरोगन किया जाता है। इस दिन ज्यादातर कल-कारखाने बंद रहते हैं और लोग हर्षोल्लास के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, दिल्ली आदि राज्यों में भगवान विश्वकर्मा की भव्य मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी आराधना की जाती है, लेकिन चंडीगढ़ और पंजाब में दीपावली के दूसरे दिन यह पर्व मनाया जाता है। 17 सितंबर को श्रम दिवस के रूप में जाना जाता है। विश्वकर्मा समाज के लोग बाबा विश्वकर्मा पूजा अवश्य करते हैं।

17 सितंबर : विश्वकर्मा पूजा पर विशेष

चार युगों में विश्वकर्मा ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया। कालक्रम में देखें तो सबसे पहले सत्ययुग में उन्होंने स्वर्गलोक का निर्माण किया, त्रेता युग में लंका का, द्वापर में द्वारका का और कलियुग के आरम्भ के 50 वर्ष पूर्व हस्तिनापुर और इन्द्रप्रस्थ का निर्माण किया। विश्वकर्मा ने ही जगन्नाथ पुरी के जगन्नाथ मन्दिर में स्थित विशाल मूर्तियों (कृष्ण, सुभद्रा और बलराम) का निर्माण किया।

जिस प्रकार विश्वकर्मा भगवान के अस्तित्व, समय, काल, जन्म, शिक्षा आदि विषयों को लेखकों ने जटिल एवं अस्पष्ट बना दिया है, ऐसे ही विश्वकर्मा जी की संतान के सबंधों के सबन्ध में विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। विश्वकर्मा जी की संतान के सबंध में जिन प्रश्नो को जानने की जिज्ञासा साधारण व्यक्ति के मन में उत्पन्न होती है। वे कुछ इस प्रकार है, जैसे विश्वकर्मा के कितने पुत्र थे? उनकी शिक्षा कैसे और कहां हुई? उन्होंने जीवन में क्या-क्या उपलब्धियां प्राप्त कीं? उनके शादी विवाह कौन-कौन से परिवार में हुए? समाज में उनकी क्या प्रतिष्ठा रही होगी? वे क्या-क्या काम करतें थे? आदि बहुत से प्रश्न हैं, जिनके बाबत आज का प्रबुद्ध व्याति जानकारी प्राप्त करना चाहेगा।

स्कन्द पुराण के अनुसार, विश्वकर्मा जी के पांच पुत्र थे, जिनके नाम मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी तथा दैवेज्ञ थे। विश्वकर्मा जी के पांचों पुत्र सृष्टि के प्रवर्तक थे। विश्वकर्मा जी के उपर्युक्त पाचों पुत्रों का नीचे अलग-अलग विवरण दिया जा रहा है, विवाह आदि का उल्लेख करें। विश्वकर्मा जी के पाचों पुत्र पिता समान प्रत्येक क्षेत्र में पांरगत एवं प्रवीण थे। तप, त्याग, तपस्या के कारण ही इनको महर्षि की उपाधि प्राप्त थी। महाप्रभु विश्वकर्मा ने अपने सद्योत्जातादि पंच मुखों से मनु आदि पांच देवों को उत्पन्न किया। इनके पांच पुत्र थे मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और दैवेज्ञ। दैवेज्ञ को विश्वज्ञ भी कहते हैं। क्रमशः ये सानग, सनातन, अहभूत, प्रयत्न और सुपर्ण के नाम से भी जाने जाते हैं, जिनका विवरण कुछ इस प्रकार है।

हम अपने प्राचीन ग्रंथों, उपनिषद एवं पुराण आदि का अवलोकन करें तो पाएंगे कि आदि काल से ही विश्वकर्मा शिल्पी अपने विशिष्ट ज्ञान एवं विज्ञान के कारण ही न मात्र मानवों, अपितु देवगणों द्वारा भी पूजित और वंदित हैं। भगवान विश्वकर्मा के आविष्कार एवं निर्माण कार्यों के सन्दर्भ में इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, पाण्डवपुरी, सुदामापुरी, शिवमण्डलपुरी आदि का निर्माण इनके द्वारा किया गया है। पुष्पक विमान का निर्माण तथा सभी देवों के भवन और उनके दैनिक उपयोगी होने वाली वस्तुएं भी इनके द्वारा ही बनाये गये हैं। कर्ण का कुण्डल, विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशूल और यमराज का कालदण्ड इत्यादि वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने ही किया है

हमारे धर्मशास्त्रों और ग्रथों में विश्वकर्मा के पांच स्वरूपों और अवतारों का वर्णन प्राप्त होता है।

- **विराट विश्वकर्मा** – सृष्टि के रचेता
- **धर्मवंशी विश्वकर्मा** – महान शिल्प विज्ञान विधाता प्रभात पुत्र
- **अंगिरावंशी विश्वकर्मा** – आदि विज्ञान विधाता वसु पुत्र
- **सुधन्वा विश्वकर्मा** – महान शिल्पाचार्य विज्ञान जन्मदाता ऋशि अथवी के पात्र
- **भृंगुवंशी विश्वकर्मा** – उत्कृष्ट शिल्प विज्ञानाचार्य (शुक्राचार्य के पौत्र)

स्कन्दपुराण के नागर खण्ड में भगवान विश्वकर्मा के वशंजों की चर्चा की गई है। ब्रह्म स्वरूप विराट श्री विश्वकर्मा पंचमुख हैं। उनके पांच मुख हैं, जो पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और ऋषियों को मत्रों द्वारा उत्पन्न किए हैं। उनके नाम हैं- मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ।

- **ऋषि मनु विश्वकर्मा** – ये 'सानग गोत्र' के कहे जाते हैं। ये लोहे के कर्म के उध्दगाता हैं। इनके वशंज लोहकार के रूप मे जाने जाते हैं।
- **सनातन ऋषि मय** – ये सनातन गोत्र कें कहें जाते हैं। ये बढई के कर्म के उद्धगाता हैं। इनके वंशंज काष्टकार के रूप में जाने जाते हैं।
- **अहभून ऋषि त्वष्ठा** – इनका दूसरा नाम त्वष्ठा है, जिनका गोत्र अहंभन है। इनके वंशज ताम्रक के रूप में जाने जाते हैं।
- **प्रयत्न ऋषि शिल्पी** – इनका दूसरा नाम शिल्पी है, जिनका गोत्र प्रयत्न है। इनके वशंज शिल्पकला के अधिष्ठाता हैं और इनके वंशज संगतराश भी कहलाते हैं। इन्हें मूर्तिकार भी कहते हैं।
- **देवज्ञ ऋषि** – इनका गोत्र है सुर्पण। इनके वशंज स्वर्णकार के रूप में जाने जाते हैं। ये रजत, स्वर्ण धातु के शिल्पकर्म करते हैं।

वास्तु के 18 उपदेष्टाओं में विश्वकर्मा को प्रमुख माना गया है। उत्तर ही नहीं, दक्षिण भारत में भी, जहां मय के ग्रंथों की स्वीकृति रही है, विश्वकर्मा के मतों को सहज रूप में लोकमान्यता प्राप्त है। वराहमिहिर ने भी कई स्थानों पर विश्वकर्मा के मतों को उद्धृत किया है।

विष्णुपुराण के पहले अंश में विश्वकर्मा को देवताओं का वर्धकी या देव-बढ़ई कहा गया है तथा शिल्पावतार के रूप में सम्मान योग्य बताया गया है। यही मान्यता अनेक पुराणों में आई है, जबकि शिल्प के ग्रंथों में वह सृष्टिकर्ता भी कहे गए हैं। स्कंदपुराण में उन्हें देवायतनों का सृष्टा कहा गया है। कहा जाता है कि वह शिल्प के इतने ज्ञाता थे कि जल पर चल सकने योग्य खड़ाऊं तैयार करने में समर्थ थे।

सूर्य की मानव जीवन संहारक रश्मियों का संहार भी विश्वकर्मा ने ही किया। राजवल्लभ वास्तुशास्त्र में उनका ज़िक्र मिलता है। यह ज़िक्र अन्य ग्रंथों में भी मिलता है। विश्वकर्मा कंबासूत्र, जलपात्र, पुस्तक और ज्ञानसूत्र धारक हैं, हंस पर आरूढ़, सर्वदृष्टिधारक, शुभ मुकुट और वृद्धकाय हैं–

कंबासूत्राम्बुपात्रं वहति करतले पुस्तकं ज्ञानसूत्रम्।
हंसारूढ़स्विनेत्रं शुभमुकुट शिरः सर्वतो वृद्धकायः॥

उनका अष्टगंधादि से पूजन लाभदायक है।

विश्व के सबसे पहले तकनीकी ग्रंथ विश्वकर्मीय ग्रंथ ही माने गए हैं। विश्वकर्मीयम ग्रंथ इनमें बहुत प्राचीन माना गया है, जिसमें न केवल वास्तुविद्या, बल्कि रथादि वाहन व रत्नों पर विमर्श है।

विश्वकर्मा-प्रकाश, जिसे वास्तुतंत्र भी कहा गया है, विश्वकर्मा के मतों का जीवंत ग्रंथ है। इसमें मानव और देववास्तु विद्या को गणित के कई सूत्रों के साथ बताया गया है, ये सब प्रामाणिक और प्रासंगिक हैं। मेवाड़ में लिखे गए अपराजितपृच्छा में अपराजित के प्रश्नों पर विश्वकर्मा द्वारा दिए उत्तर लगभग साढ़े सात हजार श्लोकों में दिए गए हैं। संयोग से यह ग्रंथ 239 सूत्रों तक ही मिल पाया है। इस ग्रंथ से यह भी पता चलता है कि विश्वकर्मा ने अपने तीन अन्य पुत्रों जय, विजय और सिद्धार्थ को भी ज्ञान दिया।

निशानेबाजी में बोकारो के पुलिसकर्मी अव्वल

संवाददाता

बोकारो : तीन दिवसीय 21वीं झारखंड सशस्त्र पुलिस क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को जैप-4 प्रांगण में हुआ। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल झारखंड सशस्त्र पुलिस-4 बोकारो ने 2270 में 1466 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जैप-1 रांची ने 1258 अंक प्राप्त कर दूसरे व जैप-5 देवघर ने 1206 अंक लाकर तीसरे स्थान पर रहे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जैप आईजी राजकुमार लकड़ा ने विजेता प्रतिभागियों को शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया। मौके पर जैप कमांडेंट मुकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। प्रतियोगिता में पुलिसकर्मियों ने जमकर निशानेबाजी में अपने जौहर दिखाए। जैप-3 गोविंदपुर को 994, जैप-6 जमशेदपुर को 935, जैप-9 साहेबगंज को 848, जैप-2 टाटीसिल्वे को 770, जैप-8 पलामू को 664, जैप-7 हजारीबाग को 647, आईआरबी चार लातेहार को 510, आईआरबी-2 खूंटी को 468, आईआरबी पांच गुमला को 433, आईआरबी दो मुसाबनी को 421, एसआईएसएफ को 414, आईआरबी-8 गोड्डा

को 399, आईआरबी-1 जामताड़ा को 297, आईआरबी-3 चतरा को 267, जैप-10 को 244 अंक प्राप्त हुआ।

100 गज स्टैंडिंग पोजिशन में वरूण मुखिया, राजीव रंजन पासवान, बबन कुमार, विक्की कुमार दूबे, 200 गज निलिंग पोजिशन में महेश राई, धर्मवीर सिंह उरांव, दिलीप गुरूंग, 300 गज लाइन पोजिशन में कुलदीप कुमार झा, गौरीशंकर शर्मा, जगदीश महतो, पौलिना टूटी, 300 गज स्नैप में गंगेश कुमार, अजित किड़ो, कृष्ण मोहन महतो, लक्ष्मीकांत महतो, 300 मीटर थ्री पोजिशन में मनोज कुमार गौड़, मो खालिद अंसारी, श्रवण कुमार क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में रहे। पिस्टल व रिवाल्वर के 15 गज शूटिंग पोजिशन में खालिद अंसारी, राजेश दास, मनीष कुमार लामा, 25 गज शूटिंग पोजिशन में मिहिर महतो, पूर्ण बहादुर सिंह, राजेश दास, 40/30 गज अटैक पोजिशन में मनोज कुमार गौड़, राजेश कुमार दास, आशीष कुमार भारती, 50 गज पोजिशन स्नैप में गौरीशंकर शर्मा, मनोज कुमार गौड़, पूर्ण बहादुर सिंह, इंडिविजुअल चैंपिनिशप में मिहिर महतो, मनीष कुमार लामा, गौरी शंकर शर्मा, पूर्ण बहादुर सिंह क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ रहे।

पेज- 1 का शेष

बोकारो-रामगढ़ को सौगातों की...

सड़क से तेनुघाट पीडब्ल्यूडी पथ तक सड़क चौड़ीकरण व मजबूती करण और पुल निर्माण, 13 करोड़ 85 लाख की लागत से चास चंदनकियारी रघुनाथपुर पथ में क्वालिटी कार्य सुधार, 12 करोड़ 18 लाख की लागत से बोकारो एनएच 23 से राधागांव रेलवे स्टेशन तक सड़क पुर्ननिर्माण का शिलान्यास किया गया।

कई आला नेता और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, इरफान अंसारी, बेबी देवी, विधायक लम्बोदर महतो, विधायक कुमार जयमंगल सिंह, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र महतो, झारखण्ड राज्य समन्वय समिति के सदस्य फागु बेसरा, पूर्व विधायक ममता देवी, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, आईजी, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र डॉ एस माइकल राज, कोयला क्षेत्र के डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा के अलावा रामगढ़ एवं बोकारो जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे। विपक्ष के गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी, धनबाद सांसद ढुलू महतो, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, बोकारो विधायक विधायक बिरंची नारायण तथा रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी का नाम अतिथि में अंकित रहने का बावजूद वे कार्यक्रम में नहीं आए। रास्ते में जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

मांदर बजाकर खूब थिरके सीएम

समारोह में करम परब का पूरा रंग दिखा। आदिवासी बालाओं ने जहां सीएम के सम्मान में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए, वहीं सीएम श्री सोरेन मांदर की थाप पर थिरके। उन्होंने मांदर बजाए और नृत्य किए। इस क्रम में आसपास पूरा उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा।

अपनी जरूरत के लिए तीन खानदानों ने रखी आतंकवाद की नींव : मोदी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावी को ले आयोजित रैली में पीएम ने विरोधियों पर साधा निशाना

ब्यूरो संवाददाता

दिल्ली ब्यूरो : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिवारवाद की राजनीति पर हमला करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच है। जम्मू क्षेत्र के डोडा जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सियासी वार-पलटवार का विधिवत आगाज कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मूकश्मीर में आ रहा बदलाव हमारी सरकार की बीते 10 सालों की कोशिशों का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि हम और आप मिलकर जम्मू-कश्मीर को देश का एक सुरक्षित और समृद्ध हिस्सा बनाएंगे। जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के बीच में है। उन्होंने कहा कि एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है वो किसी पाप से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से जो दुर्दशा हुई है, उसके लिए ये तीन परिवार जिम्मेदार हैं। वे भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और आपको अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ा। इन परिवारों ने घाटी में आतंकवाद और उग्रवाद की नींव रखी। उन्होंने निजी लाभ के लिए आतंकवाद के प्रचार-प्रसार के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रहीं। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आपके इसी विश्वास को आगे बढ़ाते हुए भाजपा ने आपके लिए एक से बढ़कर एक संकल्प लिए हैं। आज ही हमने टीका लाल टपलू को याद किया है, उन्हें श्रद्धांजलि दी है। तीन दशक से ज्यादा हो गए, इसी दिन उन्हें आतंकियों ने शहीद किया था। उनकी हत्या के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार का एक अंतहीन सिलसिला चला। ये भाजपा है, जिसने कश्मीरी पंडितों की आवाज उठाई और उनके हित में काम किया। भाजपा ने कश्मीरी हिंदुओं की वापसी और पुनर्वास के लिए टीका लाल टपलू योजना बनाने का ऐलान किया है। इससे कश्मीरी हिंदुओं को उनका हक दिलाने में तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए उस समय को याद किया जब यहां दिन ढलते ही अघोषित कर्फ्यू लग जाता था। उन्होंने कहा कि हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे। जम्मूकश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। पिछले 10 साल में यहां जो बदलाव आया है, वो किसी सपने से कम नहीं है। जो पत्थर पहले पुलिस और फौज पर फेंकने के लिए उठते थे, उन पत्थरों से नया जम्मू कश्मीर बन रहा है

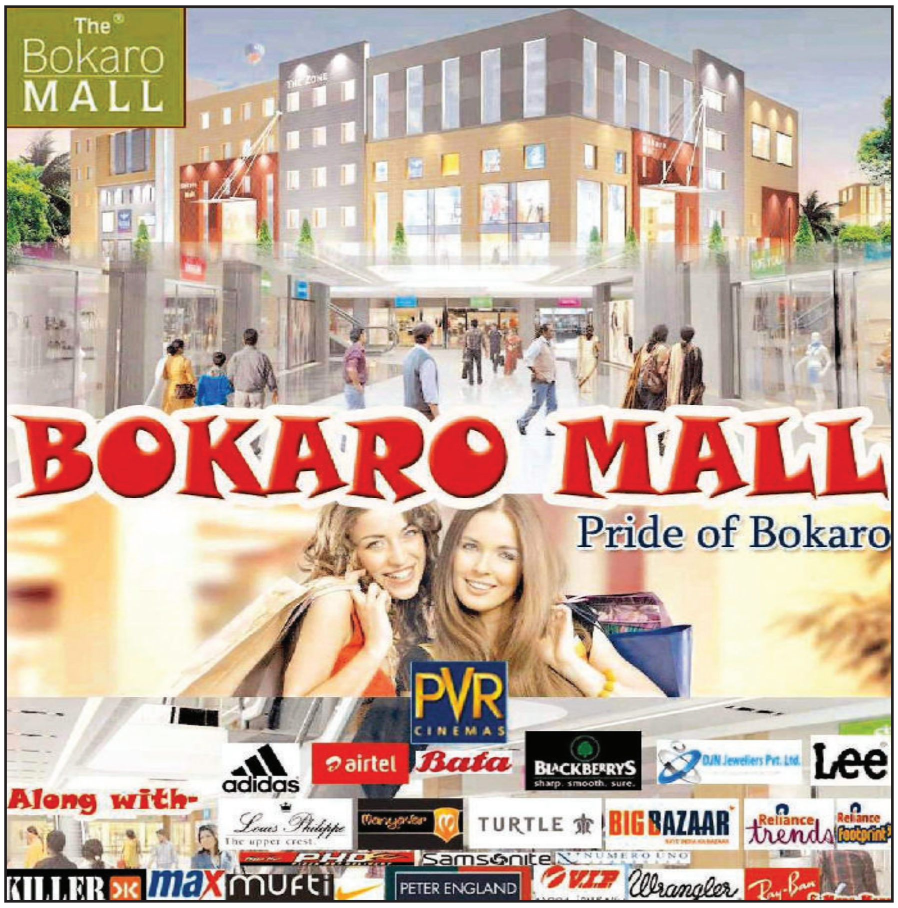

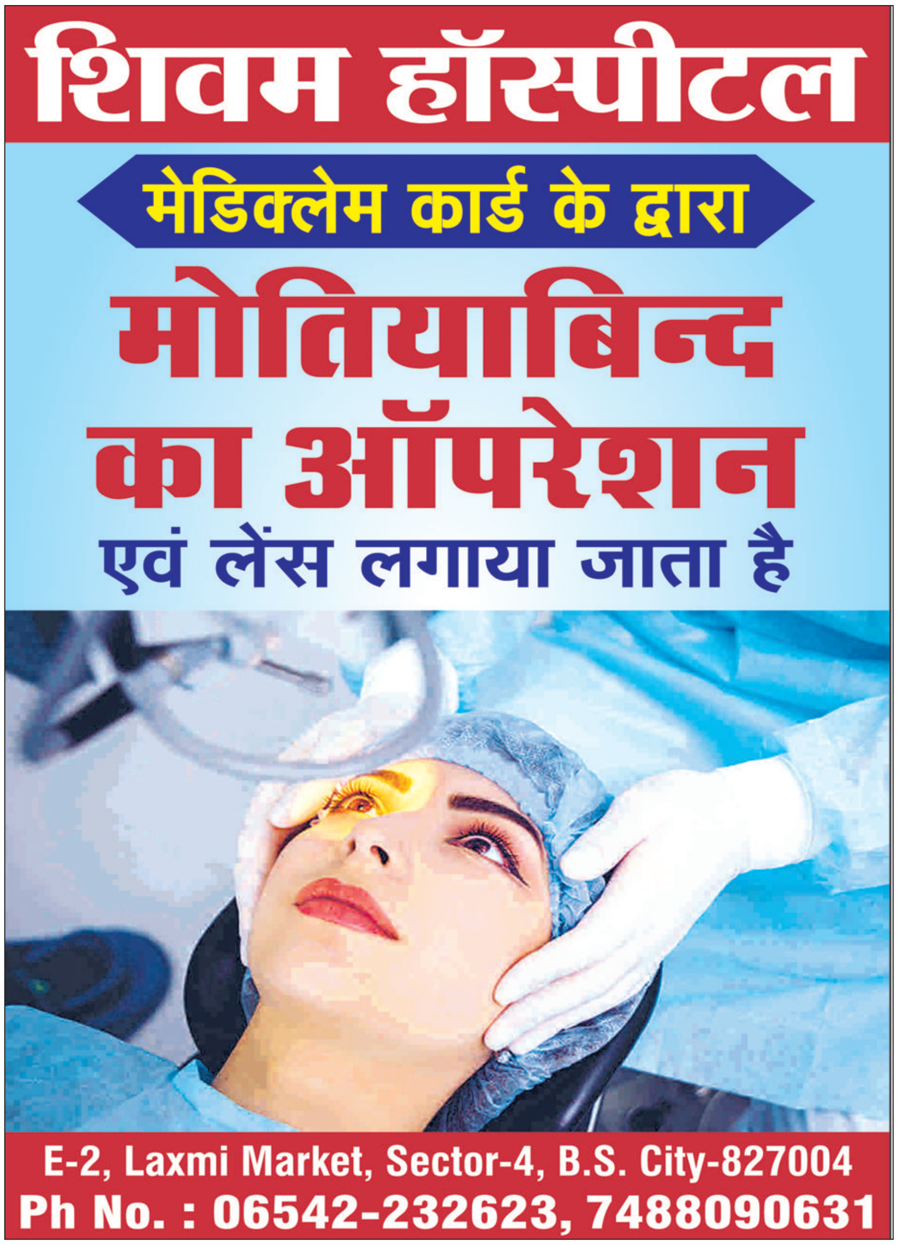

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)